

আফ্রিকান উন্নয়ন ব্যাঙ্ক-২০১৭-এর ৫২ তম বার্ষিক
সম্মেলন, গান্ধীনগর (মে ২২-২৬, ২০১৭)

১) আফ্রিকান উন্নয়ন ব্যাঙ্কের ৫২ তম বার্ষিক সম্মেলন অনুষ্ঠিত হবে গান্ধীনগর, গুজরাতে, ২২-২৬ মে, ২০১৭। এই প্রথম এএফডিবি-র বার্ষিক সম্মেলন ভারতে অনুষ্ঠিত হচ্ছে। এই বৈঠক ব্যাঙ্কের সব থেকে বড় বার্ষিক অনুষ্ঠান এবং বিশ্বব্যাপী ব্যাঙ্কে প্রোফাইল বাড়াতে আয়োজন করা হয়। পরিচালন সমিতির এই বার্ষিক সভা ছাড়াও এই বৈঠকে একত্রিত হবেন প্রায় ৩০০০ প্রতিনিধি এবং অংশগ্রহণকারী, এখানে কর্মকর্তাদের পরিকল্পনা, জ্ঞান এবং অন্যান্য ভাবনা-চিন্তা নিয়ে আলোচনা হবে। ৫৪টি আফ্রিকান আঞ্চলিক দেশের এবং ২৭টি অ-আঞ্চলিক দেশের (ভারত-সহ) ব্যাঙ্কের গর্ভনর এখানে যোগ দেবেন। এই বার্ষিক সম্মেলন আফ্রিকা ও তার বাইরের সংশ্লিষ্ট সরকারের, বাণিজ্য, সুশীল সমাজ, চিন্তাবিদদের একটি অনন্য মঞ্চ— যেখানে আফ্রিকার উন্নয়ন, এবং ব্যাঙ্কের ভূমিকা নিয়ে গুরুত্বপূর্ণ মত বিনিময় করা সম্ভব।

২) প্রধানমন্ত্রী শ্রী নরেন্দ্র মোদি উদ্বোধনী অনুষ্ঠানে যোগ দেবেন। অর্থমন্ত্রী শ্রী অরুণ জেটলি হলেন এএফডিবি-এর ভারতের গর্ভনর, যিনি বৈঠকের সভাপতিত্ব করবেন। রাষ্ট্র বা সরকারের প্রধান যাঁরা বৈঠকে উপস্থিত থাকবেন—

সেনেগাল-মহামান্য প্রেসিডেন্ট ম্যাকি সল
বেনিন প্রজাতন্ত্র- মহামান্য প্রেসিডেন্ট প্যাট্রিক টালোন
আই ভোরি কাস্ট প্রজাতন্ত্র- মহামান্য ভাইস প্রেসিডেন্ট ড্যানিয়েল কাবালান দুনকান
কোমোরোস ইউনিয়ন-মহামান্য ভাইস প্রেসিডেন্ট ডি. এ. এস হাসানি

৩) উপরে উল্লিখিত ছাড়াও, ঘানার প্রাক্তন প্রেসিডেন্ট মহামান্য জন ডিরামানি মাহামা ২০১৭-বার্ষিক সম্মেলনে যোগদান করবেন।

৪) আফ্রিকার কৃষি ব্যবস্থা এবং ব্যাঙ্ক ব্যবস্থার উন্নয়নশীল কাজের উপর গুরুত্ব দিয়ে ২০১৭ সালের বার্ষিক বৈঠকের থিম- ‘আফ্রিকায় সম্পদ তৈরির জন্য কৃষির রূপান্তরকরণ’। গ্রামীণ ও কৃষি রূপান্তরের মধ্যে দিয়ে ভারত ও আফ্রিকার মধ্যে বৃহত্তর সংযোগ সাধনের সুযোগ রয়েছে, যার ফলে গ্রামীণ মানুষের দরিদ্রতা হ্রাস এবং গ্রামাঞ্চলে জীবনযাত্রার মান উন্নয়নের জন্য দীর্ঘ পদক্ষেপ হবে।

৫) আফ্রিকার উন্নয়নশীল ফোরামে ভারত যোগদান করে ১৯৮২ সালে এবং ব্যাঙ্কের সদস্য হয় ১৯৮৩ সালে। ভারত ব্যাঙ্কের অ-আঞ্চলিক সদস্য। ভারত এবং আফ্রিকার মধ্যে মজবুত সম্পর্ক বিদ্যমান এবং আমাদের ইতিহাস এবং বর্তমান চ্যালেঞ্জ মোকাবিলার ক্ষেত্রে আমাদের

मध्ये बहू मिल रयेछे। साम्प्रतिक अतीते आमामेदर सम्पर्क मजबूत करार जन्य आमरा बेश कयेकटि पदक्षेप ग्रहण करेछि।

७) २०१५ साले भारत-आफ्रिका शिखर सम्मेलन एकटि महान साफल्य। भारतेर प्रधानमन्त्रीर १० बिलियन मार्किन डलारेर लाइन अफ क्रेडिट घोषणा, आफ्रिकार देशगुलिर सङ्गे आरु गठनमूलकभावे आमामेदर युक्त हउयार मानसिकताकेइ तुले धरे। भारतेर এই ऋण सहायता शुधुमात्र आफ्रिकान देशगुलिर विभिन्न प्रकल्ले आर्थिक साहाय्य करेछे त्हाइ नय, एकइसङ्गे सहयोगिता करेछे सम्मता वृद्धिते, तथ्य-प्रयुक्ति प्रशिक्षण एवं उच्चतर शिक्षार क्षेत्त्रे। भारते एएफडिबि बैठक आमामेदर सङ्गे आफ्रिकान देशगुलिर अर्थनैतिक सहयोगिता आरु मजबूत करवे, एमन कतकगुलि प्रकल्लेर परिकल्पना नेउया हवे।

९) वार्षिक बैठकेर समय, जिओआई कनफेडरेशन अफ इन्डिया इन्डस्ट्रि (सिआईआई) एर सङ्गे अंशीदारित्वे आयोजन करवे एकटि भारत-आफ्रिका संलापेर। ओइ सेशने भारतीय शिल्ल ओ संगठनेर व्यापारे व्याक्केर उच्च पाँच उद्देश्येर उपर आलोकपात करा हवे— विशेष करे भारतीय शिल्ल संगठन कीभावे आफ्रिकार शिल्लायने साहाय्य करवे एवं एकटि विश्वजनित वक्कन (जिडिसि) तैरि करा यय, ता एकटि रूपरेखा तैरिते साहाय्य करवे।

८) भारत सरकार प्रयुक्ति, उद्घावन, सक्रियतार क्षेत्त्रे भारतीय कम्पानिर दक्षता प्रदर्शन करार उद्देश्ये व्याक्केर वार्षिक सभाय फिकिर सङ्गे अंशीदारित्वे एकटि प्रदर्शनीर आयोजन करा हयेछे, या आफ्रिकान देशगुलिर पक्षेओ प्रसाङ्गिक हते पारे। प्रदर्शनीते व्याक्केर विषये अग्रधिकार देउया हयेछे, येखाने 'उच्च पाँच'-एर (शक्ति, स्वास्थ्यसेवा एवं फार्मा, कृषि, शिल्लायन, इ-गर्भनेस) गुरुत्त्व देउया हयेछे।

९) बैठकेर पाशापाशि आमरा 'आनुर्जातिक सौर जेट' विषयक एकटि अनुष्ठानेर आयोजन करेछि। अनुष्ठाने आईएसए चुक्तिर रूपरेखा निये एकटि सई संग्रह करा हवे एवं एछाडाओ आमरा ये सब देश अनुमोदन प्रक्रिया सम्पूर्ण करेछे, तादेर काछ थेके अनुमोदनेर नथि संग्रह करव। एखनओ पर्यन्त २५टि देश आईएसए-एर रूपरेखा चुक्तिते सई करेछे। गुयातेमाला, जिवुति, आईभोरि कोस्ट, घाना, चाद, कोमोरस, मरिशास, इयेमेन एवं सोमालिया रूपरेखा चुक्तिते सई करार विषय सम्मत हयेछे। भारत, फ्रांस, नाडरू, एवं फिजि इतिमध्येइ आईएसए रूपरेखा चुक्तिते सई करेछे। मरिशास एवं कोमोरस शीघ्रइ रूपरेखा चुक्तिते सई करवे। आईएसए आइनत स्वीकृति पावे यखन १५ टि देश रूपरेखा चुक्तिते सई करवे।

१०) এই अनुष्ठानेर प्राथमिक लक्ष्य आमामेदर विभिन्न सम्प्रदायेर मध्ये वक्कन दृढ करा एवं भविष्यते आफ्रिकार सङ्गे आमामेदर सहयोगितार सम्पर्कके आरु मजबूत करा। व्याक्कगुलिर उन्नयनमूलक अग्रगति एवं आफ्रिकार सङ्गे अग्रगति ओ संयुक्तिर विषये भारतेर अभिज्ञता, यौथ सहयोगितार विपुल संभावना तैरि करवे।

১১) আফ্রিকার উন্নয়নে ভারত-জাপান যৌথ উদ্যোগের বিষয়ে একটি বিশেষ সেশনের আয়োজন করা হয়েছে। পার্শ্ব অনুষ্ঠানে, জাপান এক্সটারনাল ট্রেড অর্গানাইজেশন (জেইটিআরও), জাপান ইন্টারন্যাশনাল কো-অপারেশন এজেন্সি (জেআইসিএ) এবং জাপান ব্যাঙ্ক অফ ইন্টারন্যাশনাল কো-অপারেশন (জেবিআইসি) ভারত এবং আফ্রিকা-সহ আফ্রিকার উন্নয়নশীল ব্যাঙ্ক— তাদের সহযোগি সংস্থার অংশীদারিত্বে, আলোচনা হবে আফ্রিকায় অর্থনীতির উন্নয়নে অবদান রাখার জন্য ভারত-জাপানের মধ্যে প্রাইভেট-পাবলিক অংশীদারিত্বের মাধ্যমে আফ্রিকার বাণিজ্যের উন্নয়ন নিয়েও।

১২) গান্ধীনগরের এই বৈঠক হল চতুর্থবার, যখন এএফডিবি-র বার্ষিক সম্মেলন অনুষ্ঠিত হচ্ছে আফ্রিকার বাইরে। প্রথম এ ধরনের বৈঠক হয়েছিল স্পেনের ভ্যালেন্সিয়ায়, ২০০১ সালে; দ্বিতীয় দফায় চিনের সাংহাইতে, ২০০৭ সালে; তৃতীয়বার পর্তুগালের লিসবনে ২০১১ সালে। এএফডিবি-র এ পরবর্তী বৈঠক ধার্য করা হয়েছে দক্ষিণ কোরিয়ার বুসানে, ২০১৮ সালে।

নয়াদিল্লি

মে ১৯, ২০১৭